संघ लोक सेवा आयोग

(Union Public Service Commission)

निबंध (Essay)

(अंतिम रूप से चयन (Final Selection) एवं टॉप रैंक निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका)

250 अंक, 3 घण्टे

Civil Services Mains Examination

पढ़िए उनसे जिनकी प्रामाणिकता एवं श्रेष्ठता निर्विवाद है...

चुनौतियाँ एवं समाधान

- ☞ *उनके लिए जो निबंध की तैयारी प्रारम्भ कर रहे हैं,*
- ☞ *उनके लिए जो कहीं, कभी पढ़ चुके हैं एवं स्वयं में सुधार चाहते हैं।*

★ KGS IAS ★

704 Ground Floor Main Road Front of
Batra Cinema Mukherjee Nagar,
Delhi - 110009

निबंध

निबंध आधुनिक गद्य साहित्य की एक लोकप्रिय, सशक्त एवं महत्वपूर्ण विधा है। इसके माध्यम से व्यक्ति के संज्ञानात्मक एवं संवेगात्मक पक्ष के साथ-साथ उसकी अभिवृत्ति (Attitude) एवं अभिक्षमता का भी पता चलता है।

निबंध लेखन के क्रम में विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों, आयामों, प्रासंगिक तथ्यों, कथनों एवं संबंधित विचारों को क्रमबद्ध रूप से रोचक, प्रभावी एवं युक्तिसंगत रूप से लिखना चाहिए।

निबंध लेखन क्यो?

1. लेखन शैली एवं भाषा कौशल की परीक्षा होती है।
2. व्यक्ति के ज्ञान, अनुभव, व्यवस्थित सोच, विचार एवं भावना का पता चलता है।
3. व्यक्ति के व्यक्तित्व का मूल्यांकन होता है।
4. अभ्यर्थी की बौद्धिकता, तार्किकता, कल्पनाशक्ति एवं दृष्टिकोण का पता चलता है।
5. किसी विषयवस्तु को विभिन्न पक्षों में बांटकर देखने की विश्लेषणात्मक क्षमता एवं रचानात्मक दृष्टिकोण का परीक्षण होता है।

निबंध के माध्यम से लेखक या अभ्यर्थी संबंधित विषयवस्तु पर अपनी पकड़, वैचारिक स्पष्टता, व्यापक सोच, अनुभव, रचनात्मक तारतम्यतापूर्ण प्रभावी लेखन, सूझबूझ एवं उसकी स्पष्ट अभिव्यक्ति का परिचय देता है।

क्या करें?	क्या न करें?
1. भाषा शैली सरल एवं सुबोध हो।	1. क्लिष्ट संस्कृत तत्सम् शब्दों का प्रयोग
2. विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों को क्रमिकता से तारतम्यता बनाते हुए लिखें।	2. विषयांतर (विषय से भटकाव)
3. वाक्य-विन्यास ठीक हो तथा विराम चिन्हों का समुचित प्रयोग हो।	3. शाब्दिक गलती, भाषाई त्रुटि
4. तार्किक एवं संतुलित दृष्टिकोण रखें, प्रगतिशील विचारों को समर्थन एवं खुले मन (open mindedness) का परिचय दें।	4. अनावश्यक पुनरावृत्ति, पूर्वाग्रह एवं रूढ़िवादिता का समर्थन
5. छोटा पैराग्राफ एवं शब्द सीमा का पालन	5. अतिवादी दृष्टिकोण का समर्थन।
6. उद्धरणों, सूक्तियों एवं मुहावरों का प्रयोग करें	6. मनगढ़ंत बातें जिनका तार्किक आधार न हो।
7. विचार को तथ्य एवं आंकड़ों से सपोर्ट करें।	7. धर्म विशेष, जाति विशेष, दल विशेष का समर्थन एवं विरोध
8. लोकतंत्र, संविधान, मानवता, नवाचार के समर्थन में हो।	8. सरकार की नीति एवं योजनाओं की सीधे-सीधे आलोचना
9. सुन्दर एवं पठनीय लेखन	9. नकारात्मक या निराशावादी दृष्टिकोण का समर्थन
10. निबंध लेखन का अभ्यास	10. विवादास्पद कथनों का उल्लेख।

निबंध लेखन (ESSAY WRITING)

(निबंध लेखन की तकनीक पर विशेष विवेचन या ध्यातव्य बातें)

निबंध लेखन का वह रूप है जिसमें किसी विषय का विचारपूर्वक एवं रोचक पद्धति से सुसम्बद्ध, रचनात्मक एवं तर्कपूर्ण प्रतिपादन किया जाता है। इसमें विषयवस्तु से संबंधित विचारों एवं भावों का अनुशासनपूर्वक लेखन किया जाता है।

निबंध में लालित्य का गुण होना चाहिए अर्थात् निबंध में सरसता, रोचकता एवं जीवंतता हो तथा साथ ही लेखन भी सुंदर एवं पठनीय हो।

अनुदेश (Instruction)

"उम्मीदवार की विषय-वस्तु की पकड़, चुने गए विषय के साथ प्रासंगिकता, रचनात्मक तरीके से सोचने की उसकी योग्यता और विचारों को संक्षेप में युक्तिसंगत और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने की तरफ परीक्षक विशेष ध्यान देंगे।"

"Examiners will pay special attention to the candidate's grasp of his material its relevance to the subject chosen, and to his ability to think constructively and to present his ideas concisely, logically and effectively."

- लिखे जाने वाले विषय पर अच्छी पकड़ हो।
- लेखन विषय-वस्तु के साथ प्रासंगिक हो अर्थात् विषय-वस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों का विस्तार करें, न कि किसी गैर-प्रासंगिक पक्ष का।
- विचार रचनात्मक हो अर्थात् केवल निषेधात्मक पक्षों को न लिखें, बल्कि उस विषय के भावात्मक एवं सृजनात्मक पक्षों को भी विस्तार दें।
- प्रस्तुतीकरण संक्षिप्त, युक्तिसंगत एवं प्रभावी हो।
- युक्तिसंगत का आशय है कि आप जो भी लिखें, उसके पीछे समुचित आधार हो।

स्पष्टीकरण

- विषय-वस्तु की पकड़
- लिखे जाने वाले विषय की अच्छी समझ हो।
- मुख्य विषय का मूल भाव समझ में आ रहा हो।
- विस्तार से विषय-वस्तु के विभिन्न पक्षों की समझ हो।
- निबन्ध में प्रयुक्त शब्दों का अर्थ बिल्कुल स्पष्ट हो।

प्रासंगिकता

- लेखन विषय-वस्तु से संबंधित हो।
- गैर-प्रासंगिक पक्षों का उल्लेख न करें।
- जो लिखा जाए उसका प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संबंध विषय-वस्तु से हो।

जैसे-यदि निबंध का विषय समस्या-प्रधान है तो फिर निबंध को लिखते समय निम्नलिखित पक्षों को ध्यान में रखना चाहिए:-

- समस्या का स्वरूप

◆ समस्या का प्रभाव- जीवन के विभिन्न क्षेत्रों यथा सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन पर, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर।

◆ समस्या का कारण

◆ समस्या को दूर करने के लिए किए गए प्रयास/उपाय

◆ क्या किया जाना चाहिए, क्या करना होगा

◆ नए व्यावहारिक उपाय (नवाचार)

रचनात्मक तरीके से सोचने की योग्यता

◆ विषय से संबंधित भावात्मक एवं सृजनात्मक पक्षों को लिखेंगे।

◆ पक्ष-विपक्ष और फिर समन्वय की भी स्थिति बतायेगें।

◆ अतिवादी दृष्टिकोण से बचेंगे।

◆ नकारात्मक पक्ष के साथ-साथ सकारात्मक पक्ष को भी लिखें। गुण और दोष दोनों की चर्चा करें।

◆ रवैया या प्रवृत्ति सकारात्मक हो।

◆ आशावादी दृष्टिकोण रखें चाहे समस्या जितनी भी गंभीर एवं व्यापक हों।

संक्षेप में

◆ व्यर्थ में विस्तार न दें।

◆ एक ही बात को बार-बार बदलते हुए न लिखे।

युक्तिसंगत

◆ आप जो भी लिखे उसके पीछे पर्याप्त आधार हो। विचारों एवं वक्तव्यों की पुष्टि या सत्यापन हेतु तथ्यों एवं आंकड़ों का प्रयोग करें। जैसे- यदि जल संकट पर कोई निबंध हो तो फिर धरती पर शुद्ध जल की उपलब्धता की मात्रा, जल-जीवन मिशन, कैच द रेन अभियान, जलदूत ऐप, हाल ही में जल संकट से संबंधित प्रकाशित रिपोर्ट आदि का भी उल्लेख करें। यदि कोई आर्थिक मुद्दें से संबंधित निबंध हो तो वहाँ अपेक्षित नवीनतम आंकड़ों एवं रिपोर्ट आदि का उल्लेख करें।

◆ या तो कुछ आधारों पर किसी मत को सिद्ध करें (Inductive Method) या किसी स्वीकृत तथ्य या अवधारणा के आधार पर अन्य पक्षों को निगमित करें। (Deductive method)

प्रभावी तरीका

◆ प्रभावी बनाने के लिए विद्वानों के मंतव्य, कविताओं, सूक्तियों, लोकोक्तियों, मुहावरों एवं उद्धरणों का प्रयोग करना चाहिए।

◆ क्रमबद्धता एवं तारतम्यता का होना आवश्यक है।

◆ संस्कृतनिष्ठ भाषा न हो।

◆ उर्दू के शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

◆ प्रभावी शब्दों एवं सारगर्भित विचारों से निबंध को जोड़े।

◆ व्यापक फलक प्रदान करें।

निबंध का चयन

- लगभग 5 मिनट का समय दें।
- सारे निबंधों को बारीकी से पढ़ें। निबंधों के अंग्रेजी अनुवाद को भी पढ़ें। जिस क्षेत्र या विषय पर आपकी विशेष पकड़ हो, जिससे मिलते-जुलते निबंध लेखन का अभ्यास आपने किया हो या जिस क्षेत्र से आप अभिरूचि रखते हैं उस क्षेत्र-विशेष की विषयवस्तु से संबंधित निबंध का चयन कर सकते हैं।
- चयन करने के बाद बाद कॉपी में निबंध के शीर्षक को लिखें।

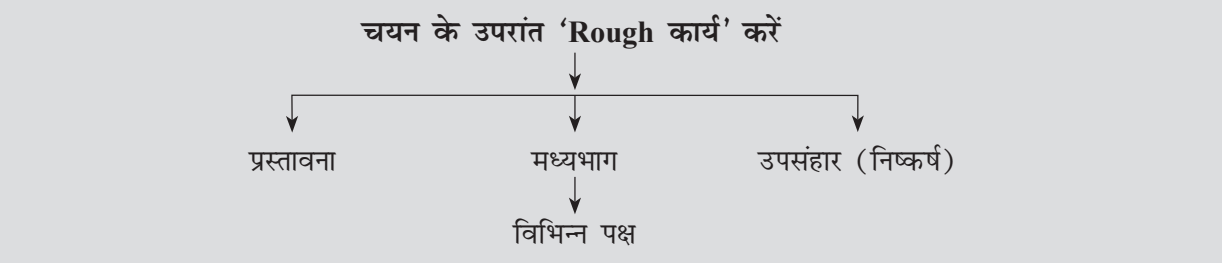

आरंभ/प्रस्तावना: निबंध का आरंभ आप किसी उद्धरण से, किसी घटना के संक्षिप्त विवरण से, निबंध के विषय की प्रासंगिकता से या निबंध के मूल भाव के विपरीत स्थिति से या शीर्षक के महत्त्वपूर्ण शब्द की व्याख्या से शुरू कर सकते हैं। निबंध की शुरुआत ऐसी होनी चाहिए कि पाठक या श्रोता में जिज्ञासा उत्पन्न हो जाये। प्रस्तावना लगभग आठ से दस लाइन की होनी चाहिए। प्रस्तावना आकर्षक होनी चाहिए।

मध्य भाग: मध्य भाग के विस्तार हेतु आरंभ में ही रफवर्क करें। विभिन्न विचारों, तथ्यों एवं बिन्दुओं का संक्षेप में उल्लेख करें। लिखते वक्त इन विचाररूप बिंदुओं को क्रमिकता पूर्वक, अनुशासन के साथ विस्तार दें।

निष्कर्ष/उपसंहार: मौलिक, संतुलित, व्यावहारिक, रचनात्मक, संदेश-उन्मुखी, भविष्य-उन्मुखी एवं आशावाद से ओत-प्रोत होना चाहिए। तानाशाह की तरह एकतरफा निर्णय या अतिशयोक्तिपूर्ण बातें नहीं लिखनी चाहिए। निष्कर्ष में नैतिकता, जनहितकारिता, एवं प्रजातांत्रिक मूल्यों के अनुरूप भाव होना चाहिए।

अंत में लिखे गए निबंध को गौर से पढ़ें तथा वर्तनी, शब्दों, तथ्यों, तर्कों आदि में कोई त्रुटि हो तो उसमें सुधार करें।